रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

शैक्षणिक सत्र 2021–22 से विश्वविद्यालय में लागू होगी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति

कौंसिल हॉल में समस्त अध्ययन मण्डल अध्यक्ष व संकायाध्यक्षों की बैठक का आयोजन

जबलपुर 10 मार्च। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा नए शैक्षणिक सत्र 2021–22 से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जा रही है। उपरोक्त जानकारी माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने बुधवार को विवि कौंसिल हॉल में आयोजित समस्त अध्ययन मण्डल अध्यक्षों एवं संकायाध्यक्षों की मौजूदगी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम निर्माण करने को लेकर आयोजित बैठक में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि सभी विषयों के पाठ्यक्रमों का स्वरूप इस तरह डिजाईन होना चाहिए जिससे विद्यार्थी को ज्ञानवान, स्वावलम्बी, चरित्रवान बनें। पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी के एक हाथ में डिग्री और दूसरे हाथ में रोजगार हो। समग्रता में देखें तो लोकल से लेकर ग्लोबल सभी दृष्टियों से उच्च लक्ष्यों वाली एनईपी 21वीं सदी में भारत की जरूरतों–चुनौतियों को पूरा करने की दिशा में एक दूरदर्शी विजन डॉक्युमेंट है। इसका क्रियान्वयन एक चुनौती जरूर होगी, लेकिन अगर योग्य लोगों को इसमें शामिल किया जाए तो इसे हासिल करना कठिन नहीं होगा।

सभी विषयों पर दिया जाए ध्यान –

बैठक में विवि एनईपी कोर कमेटी अध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. राकेश बाजपेयी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा को लेकर एक प्रमुख सिफारिश ये की गई है कि देश में विश्वविद्यालयों की परिभाषा को बदलते हुए इसे बहु विषयों का विश्वविद्यालय (मल्टी डिस्सीप्लिनरी यूनिवर्सिटी) बनाने को कहा गया है। इसका मतलब ये है कि किसी विश्वविद्यालय में एक, दो या तीन विषय नहीं बल्कि सभी संभावित विषयों की पढ़ाई कराई जानी है। इसके साथ ही उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव लाकर इसे समग्र शिक्षा बनाने का सुझाव दिया गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो अब बी. कॉम के छात्र के लिए पॉलिटिकल साइंस या इतिहास इत्यादि के पढ़ने का विकल्प होगा। इसी तरह मेडिकल के छात्र के पास इकोनॉमिक्स, फाइन आर्ट्स, साहित्य जैसे विषयों को पढ़ने के मौके मिलेंगे। विज्ञान के छात्र को सामाजिक अध्ययन, समाजशास्त्र इत्यादि का ज्ञान प्राप्त करने का विकल्प मिलेगा। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कहा गया है कि स्नातक का कोर्स चार साल का होना चाहिए। लेकिन यदि कोई दो साल में जाना चाहता है, तो उसे एक छोटी डिग्री देकर छोड़ा जा सकता है, तीन साल पर भी एक डिग्री देकर छोड़ा जा सकता है। प्रो. राकेश बाजपेयी ने बताया कि प्रारंभ में स्नातक पाठ्यक्रमों को एनईपी के अनुरूप तैयार किया जाएगा। इसके पश्चात् स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को एनईपी के अनुरूप तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर विवि परीक्षा

नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेण्डसे, संकायाध्यक्ष प्रो. रामशंकर, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. धीरेन्द्र पाठक सहित समस्त अध्ययन मण्डल अध्यक्ष एवं विषय विशेषज्ञ मौजूद रहे।

.....

रादुविवि में अखिल भारतीय राजशेखर समारोह 12 मार्च से

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय राजशेखर समारोह का शुभारंभ 12 मार्च, 2021 से होने जा रहा है। कालिदास संस्कृत अकादमी मप्र संस्कृति परिषद, उज्जैन द्वारा संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग, रादुविवि के सहयोग से आयोजित अखिल भारतीय राजशेखर समारोह में विविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए आयोजन संयोजक एवं अध्यक्ष प्रो. राधिका प्रसाद मिश्र ने बताया कि समारोह का शुभारंभ 12 मार्च प्रातः 11.30 बजे माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता में, माननीय श्री भरत बैरागी अध्यक्ष महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल के मुख्य आतिथ्य में, माननीय प्रो. रहस बिहारी द्विवेदी, वरिष्ठ संस्कृत विद्वान के सारस्वत आतिथ्य में विज्ञान भवन, कौशल विकास केन्द्र रादुविवि में होगा।

"रामकथा परंपरा एवं राजशेखर" विषय पर आयोजित शोध संगोष्ठी का प्रथम सत्र 12 मार्च अपरांह 2.30 बजे से विज्ञान भवन कौशल विकास केन्द्र, रादुविवि में होगा। शोध संगोष्ठी में देशभर से आमंत्रित वक्ता अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। 13 मार्च 2021 को शोध संगोष्ठी का द्वितीय सत्र प्रातः 9.30 बजे होगा। इसमें "कविराज राजशेखर का आचार्यत्व" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रातः 11.00 बजे से प्रो. कृष्णकांत चतुर्वेदी की अध्यक्षता में होगा। इसमें वक्ता के रूप में प्रो. प्रभुनाथ द्विवेदी, वाराणसी शामिल रहेंगे। अपरांह 2.30 बजे से शोध संगोष्ठी का तृतीय सत्र का आयोजन होगा। संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग, रादुविवि द्वारा आयोजन में शामिल जनों से कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु प्रसारित दिशा–निर्देशों के पालन करने की अपील की गई है।